साभार: मिनेसोटा राज्य मेला

साभार: मिनेसोटा राज्य मेला

साभार: मिनेसोटा राज्य मेला

मिनेसोटा राज्य मेले के कुछ रंग-बिरंगे क्षण। अगस्त 2007 में इस मेले में 17 लाख लोग आए।

बिल्कुल नीचे: कलाकार रॉबिन बर्थ 63 किलोग्राम वजन की पॉलीयूरेथेन गाय पर अपने रंगों का कमाल दिखाते हुए। यह वर्ष 2001 के मिनेसोटा राज्य मेले में एक प्रदर्शनी का हिस्सा था।

साभार: मिनेसोटा राज्य मेला

सामुदायिक मेलों में ग्रामीण अमेरिका की धूम

कैथरिन मैक्कॉनल

अमेरिका में हर साल विभिन्न समुदायों के लोग फसल की कटाई का मौसम शुरू होने पर सामूहिक रूप से अपने बूढ़े, जवान, ग्रामीण और शहरी सभी नागरिकों की शानदार सफलताओं का जश्न मनाते हैं।

इन मेलों में कोई भी भाग ले सकता है। इनमें प्रदर्शनी लगती है और कार्निवाल का आयोजन होता है। इनमें नई प्रौद्योगिकी सीखने का मौका मिलता है। नए खाद्य पदार्थों की जानकारी मिलती है और आप राजनेताओं की बातें भी सुन सकते हैं। ये मेले क्षेत्रीय या काउंटी के स्तर पर होते हैं और बड़े पैमाने पर इनका आयोजन राज्य स्तर पर किया जाता है।

इनमें से कुछ मेले तो उन्नीसवीं सदी के मध्य में शुरू हुए थे। बड़े स्तर के कई मेले उन राज्यों में आयोजित किए जाते हैं जिनकी स्थानीय अर्थव्यवस्था में आज भी कृषि की बड़ी भूमिका है जैसे, मिनेसोटा तथा आयोवा जैसे मध्य-पश्चिमी राज्य और कैलिफ़ोर्निया जैसा पश्चिमी राज्य।

कुछ दक्षिणी राज्यों में पछेती कटाई के कारण सर्दियों की शुरूआत में मेले लगाए जाते हैं जिनका आनंद अन्य राज्यों या विदेश से छुट्टी पर आए हुए लोग भी उठाते हैं। फ़्लोरिडा राज्य में नींबू-संतरा वर्ग के फलों की बड़े पैमाने पर खेती की जाती है और उसका पर्यटन उद्योग भी बहुत बड़ा है। इसलिए वहां फ़रवरी मध्य में मेला लगाया जाता है।

लंबे समय से आयोजित किए जा रहे इन मेलों के आयोजकों ने इनके जरिए कृषि को प्रोत्साहित करने के लक्ष्य को भी बढ़ा दिया है। वे किसानों को अपने विचारों तथा प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान का मौका देने के लिए ललित कला, हस्त शिल्प, भोजन बनाने तथा विज्ञान जैसी विविध श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित करते हैं। फिर भी, अनेक राज्यों में आज भी मुख्य रूप से कृषि आधारित प्रतियोगिताएं ही आयोजित की जाती हैं।

ज़्यादातर मेलों में स्वच्छ बछिया-बछड़ों के पालन-पोषण या मुलायम मोटे ऊन के लिए भेड़पालन जैसे कामों के लिए प्रतियोगिताओं में पुरस्कार दिए जाते हैं। यों, सर्वश्रेष्ठ 'पाइ' बनाने या बारीक कसीदाकारी के लिए भी पुरस्कार दिए जाते हैं।

मेले में भारी भीड़ देखकर राजनेता भी खिंचे चले आते हैं और घंटों तक धूप या बारिश में खड़े होकर सामयिक समस्याओं के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं तथा लोगों के सवालों के जवाब देते हैं।

कई लोग दिन भर मेले-प्रदर्शनी का चक्कर लगाकर शाम के समय मनोरंजन के लिए कार्निवल या संगीत कार्यक्रम में चले आते हैं।

मिनेसोटा राज्य की राजधानी सेंट पॉल में अगस्त के अंत में मिनेसोटा राज्य मेले का आयोजन किया गया। यह मेला 1859 में शुरू हुआ था और अब तक इसके आयोजन में केवल पांच बार बाधा पड़ी: 1861 तथा 1862 में गृहयुद्ध तथा डकोटा इंडियन लड़ाई, 1893 में शिकागो में विश्व कोलंबिया प्रदर्शनी, 1945 में युद्ध के कारण ईंधन की कमी और 1946 में पोलियो की महामारी फैल जाने के कारण।

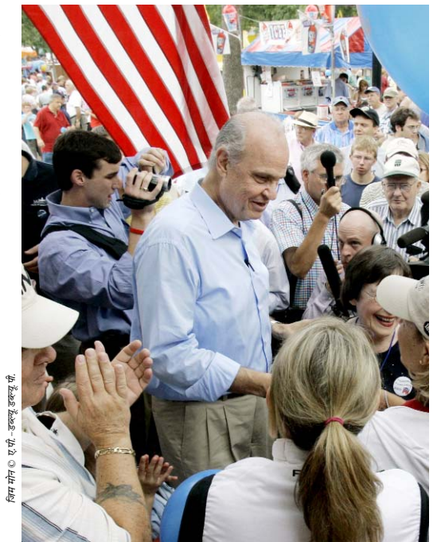

अभिनेता और पूर्व सेनेटर फ़्रेड टॉमसन राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिक पार्टी के उमीदवार बनने के लिए अगस्त 2007 में मिनेसोटा राज्य मेले में अपना प्रचार करते हुए।

जिम मोरो © ए पी-वाइड वर्ल्ड फ़ोटोज़

12 दिवसीय मिनेसोटा मेले में शहरी बच्चे ग्रामीण बच्चों द्वारा बचपन से पाली गई गायों, सुअरों, मुर्गियों, खरगोशों को बहुत करीब से देख सकते हैं।

वर्ष 2007 के मेले में 17 लाख लोगों ने भाग लिया। लोगों ने काउबॉय कलाओं यानी रोडियो, ट्रैक्टर चलाने, नीलामी और खेलकूद का आनंद उठाया। साथ ही ऍपल पाइ, चॉकलेट में डूबी कोकाकोला चीज़केक स्टिक, डंडी पर लगे तले हुए फल, मूंगफली मक्खन हॉट डॉग जैसे शानदार व्यंजनों का स्वाद चखा।

वर्ष 2007 के मेले में दूध दुहने और मदिरा का चयन करने वाले रोबोट, तथा हास्य कलाकारों, जादूगरों और बाज़ीगरों के तरह-तरह के प्रदर्शनों जैसे नए आकर्षण भी थे।

अब जबकि खलिहान खाली हो चुके हैं और भीड़ भी घरों को लौट चुकी है, अगले वर्ष के मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

***कैथरिन मैक्कॉनल** यूएसइनफ़ो की कार्यालय लेखिका हैं।*

ज़्यादा जानकारी के लिए:

मिनेसोटा राज्य मेला
http://www.mnstatefair.org/
अमेरिका में राज्य मेलों की निर्देशिका
www.ncstatefair.com

ज़्यादातर मेलों में तंदुरुस्त बछड़ा या अधिक ऊन वाली भेड़ पालने, बढ़िया पाइ बनाने या बढ़िया कशीदाकारी करने जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं और इनाम दिए जाते हैं।

साभार: मिनेसोटा राज्य मेला

एपी फ़ोटोज़ © ए पी